सांध्य दैनिक
4PM

कभी-कभी कुछ लोग कुछ कह कर अपनी एक प्रभावशाली छाप बना देते हैं, और कभी-कभी कुछ लोग चुप रहकर अपनी एक प्रभावशाली छाप बना देते हैं।
-दलाई लामा

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्ष: 10 • अंक: 110 • पृष्ठ: 8 • लखनऊ, शुक्रवार, 24 मई, 2024

कार्तिक का क्रिकेट को बाय... 7 | बुजुर्गों को जीत का उपहार देने... 3 | भारतीय युवा अग्निवीर के लिए... 2

शाह को पीएम बनाने के लिए हो रहा है चुनाव : केजरीवाल

देश में जारी लोकसभा चुनाव अपनी संपूर्णता की ओर हैं। सात चरणों में होने वाले लोकसभा चुनावों के पांच चरणों का मतदान हो चुका है और छठे चरण के लिए कल वोटिंग होनी है। इस छठे चरण में होने वाली 58 सीटों में राजधानी दिल्ली की भी सभी 7 लोकसभा सीटों पर 25 मई को मतदान होना है। चुनाव के पूरे चरम पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से बात की 4PM के संपादक संजय शर्मा ने। इस बातचीत में अरविंद केजरीवाल ने कई मुद्दों पर अपनी बात रखी, देश में बढ़ रही तानाशाही के खिलाफ अपनी पार्टी और विपक्ष की लड़ाई के बारे में बात की और साथ ही लोकसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन की बड़ी जीत का भी भरोसा जताया और बताया कि कैसे कटे जेल में वो काले दिन। प्रस्तुत है अरविंद केजरीवाल के साथ हुई बातचीत के कुछ अंश-

» चुनाव के बाद हटा दिये जायेंगे यूपी के सीएम योगी

» 4PM से बोले केजरीवाल- मैं प्रधानमंत्री की दौड़ में नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

➢ **क्या आपने मोदी जी के लिए कुछ ज्यादा ही तीखा बोल दिया, जो बात आज आपके माता-पिता से पुलिस के पूछताछ करने तक आ गई? क्या लगता है आपको कुछ ज्यादा हो गया क्या ?**

➢ मुझे नहीं लगता मैंने कुछ गलत बोला है। मोदी जी बहुत बड़े नेता हैं, वो देश के राजा हैं, मैं तो एक छोटा सा व्यक्ति हूं। सिर्फ दो राज्यों में मेरी सरकार है, छोटी सी हमारी पार्टी है। हमें इतने बड़े आदमी से क्या ही लेना-देना। मैंने हमेशा मुद्दों की बात की है, जो कि होनी भी चाहिए। हां हो सकता मेरा अंदाज कुछ अलग रहा हो। अब अगर मुद्दों की बात करने पर मुझे या मेरी पार्टी को प्रताड़ित किया जाएगा, छूटे मामलों में हमें फंसाया जाएगा और हमें जेल में डाला जाएगा, ये तो जनतंत्र के खिलाफ है। देश में हर किसी को अपनी बात रखने और बोलने का अधिकार है। लेकिन इन्होंने जो मेरे बुजुर्ग माता-पिता को निशाना बनाया, ये बहुत ही पीड़ादायक है। मैं मोदी जी से पूछना चाहता हूं कि क्या आपको लगता है कि मेरे बूढ़े माता-पिता किसी चीज में गुनहगार हैं? आपकी लड़ाई, राजनीति मुझसे है। मेरे साथ जो करना है करिए, लेकिन माता-पिता को प्रताड़ित मत करो।

4PM विशेष साक्षात्कार

➢ **जिस नेता को आपने आगे बढ़ाया राज्यसभा भेजा, एक बड़े आयोग की चेयरमैन बनाया, उसी के मामले में पार्टी को फंसाया जा रहा है। क्या आपसे चयन में गलती हो गई ?**

➢ मामला अभी कोर्ट में है, इसलिए इस मामले पर मैं अभी कोई टिप्पणी नहीं करना चाहूंगा। मैं मौके पर मौजूद नहीं था। दोनों पक्षों के अपने-अपने वर्जन हैं और दोनों पुलिस के सामने हैं। पुलिस इन पर निष्पक्ष जांच करे। जो सही हो उसे न्याय मिलना चाहिए।

स्वाति मालीवाल के मुद्दे से आम आदमी पार्टी को दिल्ली में कुछ नुकसान हो सकता है?

नहीं, जनता पर इस मुद्दे का कोई असर नहीं पड़ेगा। लोगों में इस मुद्दे को लेकर कोई चर्चा नहीं है।

➢ **आम आदमी पार्टी को ही इतना टारगेट क्यों किया जा रहा है? आपके कई बड़े नेता-मंत्रियों फिर खुद आपको भी जेल भेज दिया गया। आखिर वजह क्या है?**

➢ इसकी कई वजह हैं। दरअसल, आम आदमी पार्टी एक एक्सपेरीमेंट है। मुझे जेल में भेज कर उन्होंने देश को ये संदेश दिया कि अगर मैं एक सिटिंग मुख्यमंत्री को जो इतने बड़े बहुमत से जीता है, उसे गिरफ्तार करके जेल में भेज सकता हूं। तो मैं किसी को भी गिरफ्तार करवा सकता हूं। ये पूरे देश को, पूरे विपक्ष को डराने का मैसेज है। दूसरा, जिस तरह से आप के नेताओं को टारगेट करके जेल भेजा गया, उसके पीछे इनका मकसद है आम आदमी पार्टी को बर्बाद करना, खत्म करना। ये जानते हैं कि आने वाले समय में आप ही इन्हें राष्ट्रीय स्तर पर और राज्यों के स्तर पर भी मजबूत चुनौती देने वाली है। इसलिए ये चाहते हैं कि इसे पहले ही खत्म कर दो। इसीलिए हमारे नेताओं को जेल में डालने के बाद अब ये हमारे बैंक अकाउंट फ्रीज कराने जा रहे हैं, हमारा दफ्तर खाली करवाने की सोच रहे हैं। लेकिन ये भूल जाते हैं कि आम आदमी पार्टी अब सिर्फ चार लोगों की पार्टी नहीं बल्कि एक सोच है। आज हम लोगों के दिल में बस चुके हैं। आप हमारे दो नेताओं को जेल में डालोगे, तो दो सौ और नेता पैदा हो जाएंगे। अब आम आदमी पार्टी को रोका नहीं जा सकता।

(शेष साक्षात्कार पेज 4-5 पर)

➢ **आपने बड़ी चतुराई से दो शिगूफे देश में छोड़ दिए हैं। एक पीएम मोदी 75 साल की उम्र के बाद रिटायर हो जाएंगे और दूसरा चुनाव के बाद सीएम योगी को हटाया जा रहा है। ये बातें आपके शातिर दिमाग में कहां से आती हैं? आपको कहां से पता चल गया कि योगी हटाये जाएंगे ?**

➢ 2014 में सत्ता में आने के बाद पीएम मोदी ने खुद ये नियम बनाया कि 75 साल का होने के बाद किसी को संगठन या सरकार में कोई पद नहीं दिया जाएगा। भले संविधान में न हो। लेकिन उन्होंने इसे जोर-शोर से प्रचारित-प्रसारित किया। इस नियम के तहत आडवाणी जी और मुरली मनोहर जोशी समेत कई लोगों को रिटायर किया गया और कई लोगों के टिकट कटवाए गए। अब जो नियम प्रधानमंत्री जी ने खुद बनाया है, ऐसा तो नहीं है कि उसे खुद पर लागू नहीं करेंगे। अगर नहीं करना है तो वो कह दें कि नहीं करेंगे। लेकिन प्रधानमंत्री ने नहीं कहा, उनके चमचों ने कहा, पर उन्होंने खुद नहीं कहा कि नहीं रिटायर होंगे। वो अगली साल रिटायर होंगे और अमित शाह प्रधानमंत्री बनेंगे। ये चुनाव अमित शाह को प्रधानमंत्री बनाने के लिए है, मोदी जी को नहीं। रही बात योगी जी को हटाने की तो ये जग जाहिर है। सब लोग दबी जबान में बातें कर रहे हैं, मैंने मुखर होकर वो ही बात बोल दी। सबसे बड़ी बात है जबसे मैंने ये कहा है बीजेपी की तरफ से किसी ने भी आकर खंडन नहीं किया। यानी ये तो कंफर्म है कि योगी जी जा रहे हैं।

➢ **आप उनके पैट्रेन पर काम कर लेते हैं। चाहें जेल से छूटकर सीधे हनुमान मंदिर जाना हो, चाहे नोटों पर लक्ष्मी-गणेश की तस्वीर की बात करना हो। आप सॉफ्ट हिंदुत्व को लेकर चल रहे हैं। साथ ही मध्यम वर्ग आपके साथ है। क्या भाजपा को ये डर है कि आप उनके वोट बैंक में सेंधमारी कर रहे हैं?**

➢ वो ये जानते हैं कि आने वाले समय में आम आदमी पार्टी ही उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर और राज्य स्तर पर चुनौती दे सकती है। दिल्ली में भाजपा 25 साल से राजनीतिक वनवास पर है। दिल्ली में एमसीडी के चुनाव में भी हमने उन्हें हराया। फिर पंजाब में हमारी सरकार बनी। गुजरात में भी हम अच्छा-खासा बढ़े हैं। उनको ये डर है कि आम आदमी पार्टी अगर बढ़ी, तो हमारा सफाया कर देगी। इसका कारण है कि जो राजनीति आप करती है वो बीजेपी नहीं कर सकती। क्योंकि मैं शिक्षा, स्कूल, अस्पताल की बात करता हूं, मैं बिजली-पानी फ्री में देने की बात करता हूं, जो हमने दिल्ली-पंजाब में किया भी, लेकिन ये बीजेपी नहीं कर सकती। इसलिए उनका वोट हमारी ओर शिफ्ट होने का उन्हें डर है। इसीलिए वो आप को बर्बाद करना चाहते हैं।

➢ **ये तो आप आग लगा रहे हैं कि देखो योगी के समर्थन में कोई बीजेपी का नेता नहीं बोला। योगी तो बीजेपी के हिंदुत्व के इतने बड़े चेहरे हैं, उनको क्यों हटाएंगे ?**

➢ योगी को हटाएंगे अमित शाह का रास्ता साफ करने के लिए। उन्होंने शिवराज सिंह चौहान को हटा दिया, वसुंधरा राजे को हटा दिया, देवेंद्र फडणवीस को हटा दिया, खट्टर साहेब को हटा दिया, डॉ. रमन सिंह को हटा दिया, अब योगी जी की बारी है। उसके बाद अमित शाह का रास्ता साफ है।

फिटनेस की बात कहकर अखिलेश यादव ने बीजेपी सरकार पर कसा तंज

भारतीय युवा अग्निवीर के लिए नहीं उन्हें मिले पूर्ण फौजी बनने का मौका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रतापगढ़। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने प्रतापगढ़ की रैली में युवाओं में खूब जोश भरा। वहीं उन्होंने युवाओं की फिटनेस के बहाने भाजपा की मोदी सरकार पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा युवा फिट हैं इसलिए उन्हे अग्निवीर नहीं पूर्ण फौजी बनने का मौका मिलना चाहिए। दरअसल चुनावी रैली के दौरान एक पाइप पर चढ़े युवक को अखिलेश ने समझाया कि सेना में जाओगे पर इस तरह एक हाथ से लटकना खतरनाक हो सकता है।

अखिलेश की नजर पड़ी तो उन्होंने कहा इस युवक की फिटनेस इतनी बढ़िया है कि फौज में भर्ती के लिए फिजिकल टेस्ट तुरंत पास कर लेगा। ऐसे युवा अग्निवीर लायक नहीं फौज में नियमित भर्ती लायक हैं। हालांकि कुछ देर में युवक का बैलेंस बिगड़ गया और वह गिर गया। जिस पर अखिलेश ने कहा यह युवक का समर्थ बल है। हालांकि युवक को कोई चोट नहीं आई।

युवा कार्यकर्ता बदलेंगे चुनौती वाले बूथों की तस्वीर

इंडिया गठबंधन ने छठवें व सातवें चरण की 27 सीटों के लिए नई रणनीति अपनाई है। सपा की ओर से बनाई गई इस रणनीति में अब कांग्रेस की टीम भी शामिल हो गई है। इसके तहत गठबंधन ने पिछले चुनावों में कम वोट वाले बूथों पर फोकस किया है। इन बूथों की जिम्मेदारी फंटल संगठनों को सौंपा गया है। हर विधानसभा क्षेत्र में ऐसे 160 बूथ चिह्नित किए गए हैं। एक संगठन को 40 बूथ का प्रबंधन सौंपा गया है। समाजवादी पार्टी ने लोहिया वाहिनी, मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड, युवजन सभा और छात्र सभा के प्रदेश अध्यक्ष और अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों को चिह्नित बूथों को जिम्मेदारी सौंपी है। पार्टी की जिला कमेटी की ओर से तय की गई बूथ कमेटी पहले की तरह कार्य कर रही है। जबकि फंटल संगठन के पदाधिकारियों ने चिह्नित बूथ पर नए लोगों को जोड़ते हुए बूथ प्रबंधन की जिम्मेदारी संभाल ली है। इस रणनीति के जरिये पार्टी अपना वोटबैंक बढ़ाने की दिशा में कार्य कर रही है।

पूर्व सीएम की झलक पाने के लिए लोग बेकाबू , पुलिस के छूटे पसीने

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव प्रतापगढ़ पहुंचे। जैसे ही वह मंच पर पहुंचे तो अचानक भीड़ बेकाबू हो गई। जिसे नियंत्रित करने में पुलिस के पसीने छूट गए। लोग कुर्सियों के ऊपर चढ़कर नारे लगाने लगे। साउंड को गिराकर कुछ कुर्सियां भी तोड़ दी गईं। इतने में भी मन नहीं भरा तो टेंट के पाइप के सहारे ऊपर चढ़ गए। इतना ही नहीं एक युवक तो पाइप के सहारे ऊपर चढ़कर आगे आ गया। इसके बाद पुलिस अधिकारियों और सपा नेताओं को बेकाबू हो रहे लोगों को समझाना पड़ा।

वोट देने वाला नहीं लीडर बने मुसलमान: ओवैसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सपा-बसपा और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के फूलपुर में सांसद और एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी जनसभा की। उन्होंने मंच से सपा-बसपा और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आपने कभी कांग्रेस तो कभी सोशलिस्ट पार्टी। तो कभी जनता दल तो कभी जनता पार्टी तो कभी समाजवादी पार्टी। मेरे अजीज, दोस्तों और बुजुर्गों हमने कुछ हसिल नहीं किया। जिसको आपने वोट दिया, आपने उनकी किस्मत बदल दी। जिसको आपने वोट दिया। उनको आपने लखनऊ की गद्दी पर बैठा दिया तो कभी आपने दिल्ली में बैठा दिया।

उन्होंने आगे कहा कि आपने अपना वोट जिन्हें दिया वो तो आपकी दुआओं से कामयाब हो गए और सब मिलकर आपको बरबाद करने की कोशिश करने लगे। मेरी आपसे गुजारिश है कि 25 तारीख के दिन आप अपने वोट का सही इस्तेमल करिए। पीडीएम इसलिए बनाया गया है। ताकी पिछला और मुसलमानों की एक सियासी ताकत उत्तर प्रदेश में उभारे। जब एक सियासी खाई को पाटकर एक लीडर नहीं निकलेगा तब तक हम सिर्फ वोट देने वाले बनकर रह जाएंगे।

इस बार पीडीएम को वोट देकर ताकत दिखाईए

ओवैसी कहा कि हम एक एटीएम की मशीन बन चूके हैं। जिसमें कोई भी आकर पासवर्ड बदल देता है। मैं कह रहा हूं कि आप महिमा पटेल के लिफाफे के निशान पर मत देकर साथ दिजिए। यह असदउद्दीन ओवाईसी और पल्लवी पटेल का है। कहा कि आपको डरने की जरूरत नहीं है। उम्मीद की बुनियाद पर आप वोट दिजिए। वोट आपकी अमानत है याद रखिए और इसका सही इस्तेमाल करिए। यकीनन तीसरी बार इस देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बनेंगे।

अग्निपथ-अग्निवीर योजना पर निर्वाचन आयोग के निर्देश भ्रामक: डी. राजा

बोले-अग्निपथ योजना की आलोचना का मतलब सशस्त्र बलों की आलोचना नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के महासचिव डी राजा ने कहा कि 'अग्निपथ' योजना की आलोचना करना सशस्त्र बलों का राजनीतिकरण या आलोचना करने जैसा नहीं है तथा इस पर निर्वाचन आयोग का निर्देश गुमराह करने वाला है।

राजा ने यह भी कहा कि आयोग को उन भाजपा नेताओं पर ध्यान देना चाहिए जो संविधान को बदलने की खुली मांग कर रहे हैं। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''अग्निपथ-अग्निवीर योजना पर निर्वाचन आयोग के निर्देश भ्रामक हैं और नीतियां बनाने में राजनीतिक दलों के विशेषाधिकार का अतिक्रमण करने वाले हैं।

अग्निपथ योजना सेना के जवानों की भर्ती का एक तरीका है। अग्निपथ योजना की आलोचना करना या उसे खत्म करने का वादा करना बिल्कुल भी राजनीतिकरण या सशस्त्र बलों की आलोचना नहीं है।'' निर्वाचन आयोग ने बुधवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए उन्हें लोकसभा चुनाव में जाति, समुदाय, और धर्म के आधार पर प्रचार करने से बचने की नसीहत दी और कहा कि चुनावों में देश के सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश को नुकसान पहुंचाने की अनुमति नहीं दी सकती। आयोग ने कांग्रेस से सुरक्षा बलों का राजनीतिकरण नहीं करने और सशस्त्र बलों की सामाजिक आर्थिक संरचना के बारे में विभाजनकारी बयान नहीं देने को कहा।

भाजपा के गुंडे मेरी हत्या की साजिश रच रहे: रोहिणी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। छपरा कांड पर सियासत जारी है। राजद व भजपा में वार पलटवार भी तेज हो गया है। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने कहा है कि भाजपा के गुंडे मेरी हत्या की साजिश रह थे। लोगों पर भाजपा को वोट देने का दबाव बनाया जा रहा था।

आचार्य ने कहा कि हमारे लोगों को मतदान केंद्र पर जाने से रोका गया। मैं बूथ पर गई थी लेकिन मेरे साथ अभद्रता की गई। मुझे भद्दी भद्दी गालियां दी गई। आप ही बताइए क्या हमलोग बूथ लुटेरे हैं? बताया जा रहा है कि छपरा (सारण) में मतदान के बाद राष्ट्रीय जनता दल की प्रत्याशी रोहिणी आचार्य बूथ पर पहुंची थीं। भाजपा ने रोहिणी पर लोगों को भड़काने का भी आरोप लगाया है। वहीं राजद की ओर से कहा गया है रोहिणी आचार्य को देखते ही भाजपा वाले हंगामा करने लगे। उनके साथ अभद्रता की गई।

बोली- हमारे लोगों को मतदान केंद्र पर जाने से रोका गया

लालू के पुराने दिनों की याद दिला दी : रूडी

इधर, भाजपा प्रत्याशी और पूर्व केंद्रीय राजीव प्रताप रूडी ने कहा कि इस चुनाव में राजद सुप्रीमो लालू यादव ने पुराने दिनों की याद दिला दी। 90 के दशक में जिस तरह बूथ कैप्चरिंग, लूट और अफसर मैनेजमेंट का माहौल था। उसकी तरह का माहौल उस दिन मतदान के दौरान था। निर्वाचन आयोग से हमलोगों ने शिकायत की है। राजद के लोग मतदाता को भड़का रहे थे। वह लोकतंत्र में विश्वास ही नहीं रखते हैं।

छपरा कांड की जांच होनी चाहिए : मांझी

पूर्व सीएम जीतन राम मांझी ने बुधवार को छपरा गोली कांड पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जिस दिन मतदान हुआ उसके बाद यह घटना हुई है। लेकिन, घटना से पहले उसके पूर्व मतदान केंद्र पर राजद के प्रत्याशी और कार्यकर्ता गए थे। वहां तनाव फैला दिया और फिर तनाव की स्थिति में ही मतदान हुआ। इसकी जांच होनी चाहिए कि आखिर आग में घी डालने का काम कौन किया? सबसे पहले राजद के जो प्रत्याशी थे वह गई थी और तनावपूर्ण स्थिति बनाकर लौट आई थी। फिर इसी बीच चुनाव हुआ फिर कुछ और बातें हुई होगी जिसके बाद यह कार्रवाई हुई और गोली चली। किसने किसको मारा है? यह जांच का विषय है।

निर्वाचन आयोग ने दिया कार्रवाई का आदेश

छपरा गोलीकांड को लेकर निर्वाचन विभाग के पास ऑनलाइन एक हजार से अधिक शिकायतें पहुंची हैं। 24 शिकायतों पर निर्वाचन आयोग ने कार्रवाई कर निर्देश दिया है। इधर, गोलीकांड में एक युवक (राजद कार्यकर्ता) की मौत के बाद उनके परिजनों ने 12 लोगों पर नामजद और 50 अज्ञात लोगों पर प्राथमिकी दर्ज करवाई है।

आज दुनिया में बज रहा भारत का डंका: राजनाथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बोले- मोदी को बॉस कहते हैं दुनिया के कई नेता

नई दिल्ली। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पहले अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की बातों को गंभीरता से नहीं लिया जाता था, लेकिन आज जब वह बोलते हैं तो पूरी दुनिया सुनती है, उन्होंने कहा कि दुनिया के कई नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बॉस कहते हैं और उनका आदर करें। हरियाणा के पलवल में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए, राजनाथ सिंह ने कांग्रेस के भ्रष्टाचार और कुशासन पर परोक्ष हमला बोला।

उन्होंने कहा कि सिर्फ 25 साल पहले, भारत को अंतरराष्ट्रीय मंच पर गंभीरता से नहीं लिया जाता था, लेकिन पीएम मोदी के प्रभावी नेतृत्व के कारण, अन्य देश अब भारत की आवाज पर ध्यान देते हैं। कई वैश्विक नेता प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को सम्मान की दृष्टि से देखते हैं, कुछ ने तो यहां तक कहा है उसे बॉस या महान कहें। सिंह ने कहा कि 2004 में मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बने, लेकिन 2014 में 10 साल तक शासन करने के बाद भी भारत वैश्विक स्तर पर 11वें स्थान पर था, लेकिन नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 8 साल के भीतर भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था पर पहुंच गया है। उन्होंने दावा किया भारत के बढ़ते कद ने दूसरे देशों की धमकियों को भी कम कर दिया है, क्योंकि भारत अब अपनी धाक जमाना जानता है।

बुजुर्गों को जीत का उपहार देने को तैयार

बिहार, बंगाल, यूपी व जम्मू-कश्मीर में बच्चों ने संभाला मोर्चा

कई राज्यों में राजनैतिक विरासत को मजबूती देने को लड़ रहे नेता

- पुराने दिग्गज नेताओं की नई पीढ़ी राजनीति में ले रही बढ़-चढ़ कर हिस्सा
- उमर, महबूबा, तेजस्वी, अभिषेक व वरुण पर नजर
- जीतोड़ रैलियों में फारुख, लालू, ममता व मेनका के लिए मांग रहे वोट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में चुनाव चल रहे हैं। पांच चरणों के मतदान हो चुके हैं। दो चरण अभी बचे है। इनमें छठे दौर की वोटिंग 25 मई को होगी जबकि आखिरी व सातवें चरण का मतदान 1 जून को निर्धारित है। पांच चरणों के मतदान के बाद इंडिया गठबंधन व राजग गठबंधन में कड़ी टक्कर दिख रही है। दोनों ही खेमों की ओर से ज्यादा से ज्यादा सीटे जीतने के दावे किए जा रहें हैं। इस बीच एक दूसरी पीढ़ी के नेता अपनी विरासत या ऐसा कहें इसबार के चुनाव में अच्छी जीत हासिल कर अपने माता-पिता या बुजुर्गों को उपहार देने की कोशिश में लगे हैं। इसमें कश्मीर, यूपी से लेकर बिहार-बंगाल के युवा नेता शामिल हैं।

इस क्रम में जहां जम्मू-कश्मीर में उमर अब्दुल्ला नेशनल कांफ्रेंस को ज्यादा से ज्यादा सीटे दिलाकर अपने पिता फारुक अब्दुल्ला को गिफ्ट करना चाहते हैं। तो वहीं पीडीपी की नेता महबूबा मुफ्ती अधिक से अधिक सीटें हासिल कर अपने पिता मो. मुफ्ती सईद को श्रद्धाजंलि देना चाहेंगी। उधर बिहार में लालू को उपहार देने के लिए उनके पुत्र तेजस्वी यादव जी-जान लड़ा रहे हैं तो बंगाल में बुआ की सत्ता को मजबूती देने के लिए भतीजे अभिषेक बनर्जी दिन-रात एक किए हुए है। हालांकि यूपी में एक और बुआ मायावती के भतीजे आनंद मेहनत तो कर रहे है पर बुआ के आदेशों के अनुसार ही कदम उठा रहे हैं। इनके अलावा यूपी में मां मेनका गांधी के लिए बेटे वरुण गांधी खाक छान रहे हैं हालांकि उनकी पार्टी बीजेपी ने उन्हें टिकट नही दिया हैं।

पीडीपी के निशाने पर नेकां, ना की भाजपा : उमर

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी का पीएजीडी से खुद को दूर करने का निर्णय किसी वैचारिक मुद्दे के बजाय स्व-हित से प्रेरित था। उमर ने कहा, जहां तक पीएजीडी का सवाल है, पीएजीडी बरकरार है। पीएजीडी ने यह चुनाव एक साथ लड़ा, चाहे वह अवामी नेशनल कॉन्फ्रेंस, सीपीआई (एम) और नेकां हो, यह केवल पीडीपी थी, जो दूर हुई। पीएजीडी का गठन छह पार्टियों ने किया था। इसमें सज्जाद लोन की पीपुल्स कॉन्फ्रेंस भी शामिल थी। हालांकि, स्थानीय निकाय चुनाव में हार के बाद लोन की पार्टी अलग हो गई। अब्दुल्ला ने कहा, महबूबा ने उधमपुर में भाजपा के खिलाफ प्रचार नहीं किया, न ही उन्होंने जम्मू में प्रचार किया। तो वह इंडिया ब्लॉक का हिस्सा होने का दावा कैसे कर सकती हैं? वह भाजपा के खिलाफ होने का दावा कैसे कर सकती हैं? वह केवल नेकां के खिलाफ हैं। अनंतनाग-राजोरी सीट पर छठे चरण में 25 मई को मतदान होना है।

आतंकी को फाइनेंसियल सपोर्ट करने वाले का समर्थन ले रही बीजेपी : महबूबा

पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने भाजपा और अपनी पार्टी पर तीखा हमला किया है। उन्होंने अपनी पार्टी के अध्यक्ष अल्ताफ बुखारी पर परोक्ष हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा उस पार्टी का समर्थन कर रही है, जिसने कश्मीर में आतंकवाद को वित्तपोषित करने के लिए पाकिस्तान से लाए गए हवाला के पैसे से कारोबार किया। पीडीपी के पूर्व नेता अल्ताफ बुखारी को जनवरी 2019 में पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था। इसके बाद अल्ताफ बुखारी ने जम्मू कश्मीर अपनी पार्टी का गठन किया। भाजपा ने अनंतनाग राजोरी सीट पर अपनी पार्टी को समर्थन दिया है। पार्टी ने इकबाल मन्हास को इस सीट से चुनावी मैदान में उतारा है। वहीं, महबूबा मुफ्ती भी इस सीट से चुनाव लड़ रही है। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) ने मियां अल्ताफ को प्रत्याशी बनाया है। इस सीट पर छठे चरण में 25 मई को मतदान होगा। इस सीट पर 17 अन्य लोग मैदान में हैं। आपको पता चल जाएगा कि आतंकवादियों और अलगाववादी नेताओं को पैसा पहुंचाने के पीछे कौन है। कनेक्शन अभी भी बरकरार हैं और वे उन कनेक्शनों का इस्तेमाल कुछ भी करने के लिए कर सकते हैं। महबूबा ने आरोप लगाते हुए कहा,मुझे आश्चर्य है कि भाजपा उस पार्टी का समर्थन कर रही है जो हवाला फंडिंग में शामिल है और हिंसा में उसकी प्रत्यक्ष भूमिका है। आतंकवाद के लिए पाकिस्तान से भेजे गए धन का उपयोग व्यवसाय स्थापित करने के लिए भी किया गया था।

गठबंधन में जान डालने में जुटे तेजस्वी यादव

34 वर्षीय तेजस्वी का प्रदर्शन केंद्र में इंडिया की किस्मत भी तय कर सकता है, बिहार में महत्वपूर्ण 40 सीटें दांव पर हैं, जिनमें से भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने 2019 में 39 सीटें जीती थीं। राज्य में चुनाव लोकसभा चुनाव के पूरे सात चरणों में होते हैं, और वे केवल दो चरण थे जब तेजस्वी की पीठ में दर्द हुआ। तेजस्वी यादव के लिए एक लोकसभा चुनाव जबरदस्त तरीके से मुश्किलों वाला रहा है। अगर देखा जाए तो तेजस्वी यादव ने बिहार में इंडिया गठबंधन के लिए अपने दम पर मोर्चा संभाले रखा है। कहीं ना कहीं बिहार में इंडिया गठबंधन और एनडीए के बीच जबरदस्त तरीके से लड़ाई भी देखने को मिल रही है। कई सीटों पर कांटे की टक्कर है। हालांकि कमर में दर्द के बावजूद तेजस्वी ने प्रचार में कोई कसर नहीं छोड़ी है। वे कमर में बेल्ट बांधे और कभी व्हीलचेयर का उपयोग करते हुए दिखाई दे जाते हैं। 2020 के विधानसभा चुनाव के बाद इस चुनाव में भी तेजस्वी यादव के ही दम पर बिहार में राजद और कांग्रेस का गठबंधन चुनावी मुकाबला करता हुआ दिखाई दे रहा है। इंडिया गठबंधन के अन्य नेताओं में से राहुल गांधी केवल एक बार किशनगंज और भागलपुर में रैलियां करने के लिए बिहार आए हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन

खड़गे ने कुछ बैठकें की हैं। हाल ही में, तेजस्वी की पीठ का दर्द राजनीतिक वाकयुद्ध में सामने आया जब उन्होंने एक रैली में कहा कि वह तब तक आराम नहीं करेंगे जब तक पीएम मोदी को बेड रेस्ट नहीं मिल जाता। राजद ने बाद में स्पष्ट किया कि तेजस्वी के कहने का मतलब राजनीतिक बिस्तर पर आराम था।

वरुण गांधी ने मां मेनका के लिए सुल्तानपुर में की चुनावी रैली

बीजेपी सांसद वरुण गांधी पीलीभीत से अपना टिकट कटने के बाद सुलतानपुर में पहली बार सार्वजनिक कार्यक्रम में दिखाई दिए। वह अपनी मां के लिए आयोजित चुनाव प्रचार के सार्वजनिक कार्यक्र म में नजर आए। सुल्तानपुर में 25 मई को चुनाव होना है, ऐसे में प्रचार के आखिरी दिन वरुण ने लोगों से अपनी मां को वोट देने की अपील की। वरुण ने सुल्तानपुर से अपना और अपने परिवार का संबंध का हवाला देने के साथ-साथ लोगों का विश्वास हासिल करने के लिए अपना मोबाइल नंबर भी बता दिया. वरुण

सुल्तानपुर में अपनी मां के लिये वोट मांगने पहुंचे लेकिन इस दौरान उन्होंने न ही बीजेपी का नाम लिया, न ही पीएम मोदी का उन्होंने योगी आदित्यनाथ और अपनी सरकार भी नाम नहीं लिया। वरुण ने सिर्फ़ और सिर्फ़ अपनी मां और अपने परिवार के सुल्तानपुर से रिश्ते पर बात की और सभा से निकल गए। फिलहाल बीजेपी से पीलीभीत से टिकट कटने के बाद वरुण पहली बार प्रचार करने आए। अब मेनका चुनाव जीतें या हारें लेकिन एक सवाल ये ज़रूर खड़ा हो गया है कि क्या वरुण बीजेपी से नाराज़ हैं? ये सवाल भी इसलिए उठ रहा है क्योंकि वरुण बीजेपी का नाम लेने से बचते नज़र आए।

आरक्षण की रक्षा के लिए भाजपा को सत्ता से हटाना पड़ेगा : अभिषेक

तृणमूल कांग्रेस नेता अभिषेक बनर्जी ने कहा कि विरोध में मतदान कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को सत्ता से बाहर करने की जरूरत है ताकि लोगों के आरक्षण संबंधी अधिकार सुरक्षित रहें।अभिषेक ने सालबोनी और नंदीग्राम में चुनावी रैलियों में कहा कि केंद्र में बदलाव आसन्न है और नयी सरकार के गठन में तृणमूल की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव ने कहा, भाजपा ओबीसी, एसटी और एससी लोगों के आरक्षण अधिकारों को छीनने की कोशिश कर रही है। उन्हें एक भी वोट देना अपना अधिकार सौंपने के समान है। अभिषेक ने कहा कि कलकत्ता उच्च

न्यायालय ने 2010 से राज्य में कई वर्गों को दिए गए ओबीसी दर्जे को रद्द कर दिया और ऐसे आरक्षणों को अवैध बताया। विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के विधानसभा क्षेत्र नंदीग्राम में एक अन्य रैली में, अभिषेक बनर्जी ने आश्चर्य जताया कि भाजपा नेता ने अपने क्षेत्र के लोगों को क्या दिया है। शुभेंदु अधिकारी को 'गद्दार' बताते हुए उन्होंने दावा किया कि पूर्व तृणमूल मंत्री प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की जांच से बचने के लिए भाजपा में शामिल हो गए। तृणमूल नेता ने कहा, ''शुभेंन्दु अधिकारी मेदिनीपुर की इस पवित्र मिट्टी के पुत्र नहीं हो सकते। यह (स्वतंत्रता सेनानी) सतीश सामंत और अन्य क्रांतिकारियों की धरती है। बनर्जी ने आरोप लगाया कि अधिकारी ने 2021 के विधानसभा चुनाव में वोटों की गिनती के दौरान बिजली कटौती की मदद से धोखाधड़ी से जीत हासिल की।

'हम देश को तानाशाही से बचाने के लिए आए साथ'

लोग कहते हैं केजरीवाल बहुत चालाक हैं, अवसरवादी हैं। जिस कांग्रेस से इतनी लड़ाई थी सत्ता के लिए उससे ही दोस्ती कर ली। ये आरोप आप पर लगते हैं, क्या कहेंगे इन पर ?

हम सब लोग देश को तानाशाही से बचाने के लिए साथ आए हैं। जेल से निकलने के बाद जब मैं घूमा हूं देश में तो मैंने देखा कि पहले तानाशाही शब्द विपक्ष और उसके नेता इस्तेमाल करते थे, लेकिन अब जनता इस्तेमाल कर रही है। लोग बोल रहे हैं कि देश तानाशाही की तरफ जा रहा, देश को तानाशाही से बचाना है। इसलिए हम सबका मकसद ये ही है कि देश को बचाया जाए।

- **आप भी तो इतना पर्सनल हो जाते हैं मोदी जी पर। इतने बड़े देश के प्रधानमंत्री हैं वो और आप विधानसभा में चौथी पास राजा की कहानी सुनाते हैं। इतने व्यक्तिगत हमले क्यों करते हैं आप ?**
- क्या पॉलिटिकल व्यंग्य नहीं किया जा सकता? मेरे ऊपर इतने कार्टून बनते हैं, व्यंग्य होते हैं, मेरी खांसी, मेरे मफलर पर कितने व्यंग्य हुए। तो क्या मैं नहीं कर सकता। मैंने तो व्यंग्य की तरह एक कहानी सुनाई थी, उसे इतना पर्सनल नहीं लेना चाहिए। ऐसे अगर हम टार्गेट करके लोगों को अपना दुश्मन मानने लगेंगे, तो जनतंत्र नहीं रहेगा। जनतंत्र एक व्यापक चीज है।
- **आप जानते हो कि मोदी जी को पसंद नहीं है आलोचना सुनना, या व्यक्तिगत हमला। अब आप इतने बड़े आदमी से टकराएंगे फिर तो ये सब होगा ही।**
- मैं किसी से टकरा नहीं रहा, न मैं यहां किसी से टकराने आया हूं। लेकिन हंसी-मजाक तो होता ही है, उसे बर्दाश्त करना चाहिए। अन्ना जी भी कहते थे कि अपमान सहने की शक्ति होनी चाहिए। ये तो सिर्फ व्यंग्य है। लेकिन कई मौकों पर तो मुझे गालियां दी जाती हैं। मैं अगर ऐसे बुरा मान जाऊं तो मेरे लिए तो जीना ही मुश्किल हो जाएगा।
- **आपने अन्ना जी का जिक्र किया, क्या अब आपका अन्ना जी से बिल्कुल संवाद नहीं होता ?**
- बीच-बीच में कभी-कभी बात होती थी। लेकिन इन दिनों काफी वक्त से बातचीत नहीं हो पाई है।
- **आपने कभी सोचा था कि इस राजनीति के चक्कर में जेल भी जाना पड़ेगा? आपके आरोप थे कि जेल में आपके खाने पर पाबंदी है, आपको इंसुलिन नहीं मिल रही। मीडिया में जेल में आपके आम खाने और इंसुलिन को लेकर इतनी चर्चा होगी, कभी सोचा था आपने ?**
- मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे जेल जाना पड़ेगा। जेल तो छोटी बात है मैंने कभी ये भी नहीं सोचा था कि मेरे माता-पिता को इस तरह से निशाना बनाकर प्रताड़ित किया जाएगा। बीजेपी ने राजनीति की सारी सीमाएं लांघ दी हैं। भारतीय राजनीति में कभी मां-बाप को इस तरह से परेशान नहीं किया जाता है। ये बहुत ही न्यूनतम स्तर की बात है।
- **आप कह रहे हैं वो अगर जीत गए तो। आपको क्या लगता है फिर भाजपा जीत जाएगी? वो तो कह रहे हैं अबकी बार 400 पार, आपको क्या लगता है?**
- मैं उम्मीद करता हूं राजीव नारायण शर्मा जी की भविष्यवाणी सच हो और इंडिया गठबंधन की सरकार बने।
- **लोग कहते हैं केजरीवाल बहुत चालाक हैं, अवसरवादी हैं। जिस कांग्रेस से इतना लड़ाई थी सत्ता के लिए उससे ही दोस्ती कर ली। ये आरोप आप पर लगते हैं, क्या कहेंगे इन पर ?**
- हम सब लोग देश को तानाशाही से बचाने के लिए साथ आए हैं। जेल से निकलने के बाद जब मैं घूमा हूं देश में तो मैंने देखा कि पहले तानाशाही शब्द विपक्ष और उसके नेता इस्तेमाल करते थे, लेकिन अब जनता इस्तेमाल कर रही है, लोग बोल रहे हैं कि देश तानाशाही की तरफ जा रहा, देश को तानाशाही से बचाना है। इसलिए हम सबका मकसद ये ही है कि देश को बचाया जाए।
- **सत्ता हासिल होने के बाद भी क्या इतना ही भाईचारा बना रहेगा?**
- देश के लिए काम करते रहेंगे, देश के लिए साथ खड़े रहेंगे। अभी जो अलग-अलग पार्टियों ने अलग-अलग मेनिफेस्टो जारी किए हैं, मैं उम्मीद करता हूं सत्ता में आने के बाद हम सभी मेनिफेस्टो को मिलाकर एक कॉमन मिनिमम प्रोग्राम बनाएंगे और उस पर काम करेंगे।
- **आप लिखकर दे देते हैं कि किसकी कितनी सीटें आएंगी। इस बार आपको क्या लग रहा है किसकी कितनी सीटें आ रही हैं?**
- मुझे लगता है कि बीजेपी की 220 सीटों से कम आनी चाहिए, ये मेरा अनुमान है। जबकि इंडिया गठबंधन धीरे-धीरे अपनी दम पर 300 की तरफ बढ़ रहा है।

जेल में जाना किसी के लिए भी काफी कष्टकारी होता है। आपके जो ये दिन जेल में गुजरे इन्होंने आपको तोड़ा, कमजोर किया ?

इन लोगों ने बहुत कोशिश की मुझे तोड़ने की, इन्होंने कई तरीके अपनाए मुझे बेइज्जत करने के, तोड़ने के, कमजोर करने के। मुझे एक आइसोलेटेड सेल में रखा गया, जिसमें मैं चौबीस घंटे किसी से बात नहीं कर सकता था, वो पूरी बैरक खाली करा दी गई थी। मेरे सेल में दो सीसीटीवी कैमरे लगा दिए गए और उसकी फीड 13 ऑफिसर्स के पास जाती थी और बताते हैं कि पीएमओ में भी जाती थी। ये 13 ऑफिसर्स मुझ पर 24 घंटे नजर रखते थे। आप सोचकर देखो अगर चौबीस घंटे आप पर कोई नजर रखे तो जीना कितना मुश्किल हो जाता है। जेल मैन्युअल में लिखा है कि आपकी विजिटर्स से फेस टू फेस मुलाकात करवा सकते हैं। अभी तक जितने राजनीतिक अपराधी आए सबकी करवाई भी गई। लेकिन जब भगवंत मान मुझसे जेल में मिलने आए तो जाली के उस तरफ वो और जाली के इस तरफ मैं था। मेरी पत्नी आई तो भी जाली के उस तरफ वो और इस तरफ मैं। ये सिर्फ मुझे बेइज्जत करने के लिए किया गया। 15 दिनों तक मेरी दवाईयां बंद कर दीं, मुझे इंसुलिन नहीं लेने दी। मेरी शुगर 300-350 पहुंच गई। इन्होंने पूरी कोशिश की मुझे तोड़ने की, मुझे कमजोर करने की। लेकिन मैंने जेल के अंदर काफी मेडिटेशन किया और दो बार पूरी गीता पढ़ी, जिससे मुझे काफी शांति मिली।

सांध्य दैनिक 4PM विशेष साक्षात्कार

मौजूदा वक्त में मेन स्ट्रीम मीडिया के गिरते स्तर और उसके सत्ता के चारण बनने को आप किस तरह से देखते हैं?

- मुझे लगता है दो तरह के लोग हैं, एक जो दिल से चापलूस हैं। दूसरे, जिन पर बहुत अधिक प्रेशर है, उन्हें डराया-धमकाया जा रहा है। मैं ऐसे कई लोगों को जानता हूं जो अगर हमारी खबर चला दें या हमारे पक्ष में कुछ दिखा दें, तो उन्हें ईडी की धमकी दी जाती है। मुझे उन लोगों के साथ सहानुभूति है जो मजबूरी में ऐसी पत्रकारिता कर रहे हैं। और उन लोगों पर दया आती है जो तानाशाही के वक्त में भी चापलूसी कर रहे हैं। जो रूस, बांग्लादेश और पाकिस्तान में हुआ, वो ही ये लोग भारत में कर रहे हैं। सिटिंग मुख्यमंत्रियों को जेल में डाल रहे हैं, शिवसेना-एनसीपी जैसी पार्टियों को तोड़ रहे हैं, उनके सिंबल छीन रहे हैं और फिर कह रहे हैं कि चुनाव लड़ते हैं। अगर ये लोग फिर जीत गए तो देश में कोई राजनीतिक पार्टी नहीं बचेगी। ये आलम है देश में तानाशाही का। एक लीडर बचेगा और एक पार्टी बचेगी, फिर ये चुनाव कराएंगे।

- **प्रधानमंत्री कौन बनेगा इंडिया गठबंधन का? लोग तो आपके नाम की भी चर्चा करते हैं।**
- मैं रेस में नहीं हूं। हमारी छोटी सी पार्टी है, हम सिर्फ 22 सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं। हम अंदर से जाएंगे या सरकार को बाहर से सपोर्ट करेंगे ये बाद में तय करेंगे। अभी सिर्फ एक ही मुद्दा है कि 4 जून को देश बचाने के लिए हम सब मिलकर काम कर रहे हैं। हम मिलकर तय करेंगे कौन पीएम बनेगा।
- **केजरीवाल जी मैं आपसे यह नहीं पूछूंगा कि आप लोग दिल्ली में कितनी सीटें जीत रहे हैं, क्योंकि मैं जानता हूं कि आपका उत्तर होगा कि हम सातों सीटें जीत रहें हैं। इसीलिए मैं आपसे पूछ रहा हूं कि दिल्ली में सबसे ज्यादा वोटों से कौन सी सीट जीत रहे हैं?**
- अगर आप मुझसे दो महीने पहले पूछते तो मैं कहता कि दो या तीन सीट शायद जीत जाएं। लेकिन जबसे इन्होंने मुझे गिरफ्तार किया है, तबसे दिल्ली की जनता में इतना ज्यादा गुस्सा है, उसने पूरी बाजी पलट दी है। अब हम सातों सीटें जीत रहे हैं।
- **आपको दोबारा जेल जाने का डर लग रहा है?**
- नहीं, मुझे कोई डर नहीं है। मुझे इंस्प्रेशन मिलता था। मैंने आजादी का आंदोलन पढ़ा, मैंने कई किताबें एक महीने के अंदर जेल में पढ़ डालीं। मैं सोचता था कि मुझे तो पता है कि 4 महीने, 6 महीने या साल भर बाद मैं जेल से बाहर चला जाऊंगा। आखिर कितने दिन रख लेंगे ये मुझे अंदर। लेकिन आप सोच कर देखिए अंग्रेजों के वक्त भगत सिंह के सामने क्या था, पंडित जवाहर लाल नेहरू जी 10-12 साल जेल में रहे, हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी कितने साल जेल में रहे, चंद्रशेखर आजाद जेल में रहे, उनके सामने क्या था। लेकिन आज जो लड़ाई मैं लड़ रहा हूं, वो भी उसी तरह की लड़ाई लड़े थे। उन्होंने देश को आजाद कराने के लिए यह लड़ाई लड़ी थी। मैं लड़ रहा हूं देश को बचाने के लिए। हमारे नेता मनीष सिसोदिया भी देश को बचाने के लिए डेढ़ साल से जेल में हैं। ऐसे में जब हमारे देश के महापुरूषों ने उस वक्त अंग्रेजों के तानाशाही शासन में गुलामी के वक्त में उनके अत्याचारों को सहा, बर्दाश्त किया। तो मैं आज आजाद भारत के तानाशाही वाले माहौल में एक भारतीय तानाशाह के अत्याचारों को भी उसी तरह बर्दाश्त करूंगा जैसे उन लोगों ने बर्दाश्त किया था।
- **बीजेपी वाले कहते हैं कि अगर शराब वालों से 100-150 करोड़ न लिए होते, तो इतनी परेशानी होती ही नहीं।**
- सौ-डेढ़ सौ करोड़ अगर लिए तो वो गए कहां? इन्होंने इतनी रेड मार लीं चवन्नी कहीं नहीं मिली इन्हें। सारे बैंक लॉकर, बैंक अकाउंट देख लिए, कहीं कुछ नहीं मिला। कहीं एक पैसे का सबूत नहीं मिला। आखिर कहां गए पैसे? क्या हवा में गायब हो गए सारे पैसे? ये पूरा केस ही फर्जी है।
- **क्या लगता है आपको अगर 1 जून को आपको फिर जेल जाना पड़ा और 4 जून को नतीजों में इंडिया गठबंधन सत्ता में आई, तो 5 जून को ईडी क्या शपथ पत्र देगी सुप्रीम कोर्ट में?**
- देखते हैं तब क्या होता है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

हिट एंड रन से हुए मौतों का जिम्मेदार कौन

पुणे व कानपुर में नाबालिगों की लापरवाही (हिट एंड रन) से गाड़ी चलाने से कुछ लोगों की मौत हो गई। अब सवाल यह उठ रहा है कि इन मौतों का जिम्मेदार कौन है। क्या इस दर्दनाक घटना के लिए नाबालिग बच्चों के माता-पिता जिम्मेदार हैं जिन्होंने उनको कच्ची उम्र में गाड़ियों के चाबी सौंपे या वह प्रशासन जिसने सड़कों पर जब उनको गाड़ी चलाते देखा तो उनकी जांच नहीं की। या वह बच्चे खुद जिम्मेदार है जो आजकल सोशल मीडिया से हर तरह की जानकारी शेयर करते हैं उन्हें भी अच्छी तरह से पता कि 18 साल से कम उम्र में वह चारपहिया तो क्या दोपहिया वाहन नही चला सकते हैं। जिम्मेदार कौन है ये तो बहस का विषय हो सकता है पर प्रथम दृष्टया ये एक अक्षम्य अपराध है क्योंकि कुछ लोगों के मनोरंजन की वजह से उन परिवारों के चिराग या कोई जिम्मेदार अपनी जान से हाथ धो बैठे और उस परिवार को दुख झेलने को मजबूर कर दिया। इन घटनाओं में सबसे बड़ा प्रश्न तो प्रशासन के ऊपर भी है कि उन्होंने दोषी को बचाने की पूरी कोशिश की।

इस तरह की घटनाएं कई बार हुई हमेशा यह होता है गैर इरादतन हत्या के मुकदमें चलते हैं और मामला ठंडे बस्ते में चले जाते हैं और फिर दूसरी घटना घटने तक इन पर चर्चा भी नहीं होती। ऐसे में सरकारों के साथ समाज को कुछ ऐसे कदम उठाने होंगे की ये नाबालिग बच्चे ऐसा करने से पहले कई बार डरें। पुणे की घटना वह हमारे शहरी जीवन और व्यवस्था से जुड़ी दुर्भाग्यपूर्ण विसंगतियां उजागर करता है। गनीमत है कि मीडिया में हुए शोरगुल के बाद ही सही, केस को पटरी पर लाने के प्रयास शुरू हो गए हैं। इस घटना में खास बात यह कि शराब पीकर गाड़ी चलाने और दुर्घटना में दो लोगों की मौत से जुड़े इस मामले में आरोपी को जमानत मिलने में भी कोई दिक्कत नहीं हुई। पुलिस ने जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के सामने आवेदन दिया था कि उसे इस मामले में आरोपी के साथ वयस्क की तरह व्यवहार करने की इजाजत दी जाए। मामले से जुड़ी शुरुआती सूचनाएं इस बात की ओर ध्यान खींचती हैं कि कैसे हमारे समाज का एक तबका नियम-कानून को अपनी जेब में लिए चलता है। यही नहीं, मिली सूचनाओं के मुताबिक दुर्घटना से पहले यह लड़का एक नहीं दो अलग-अलग बार में जाकर शराब पीता है। ध्यान रहे कि महाराष्ट्र में शराब पीने की न्यूनतम उम्र 25 साल है। स्वाभाविक ही इस पूरे घटनाक्रम के सामने आने के बाद इस पर कड़ी प्रतिक्रियाएं आने लगीं। इन्हें संज्ञान में लेते हुए महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने भी माना कि बोर्ड का रुख घटना की गंभीरता के अनुरूप नहीं है। उधर अब समाज को भी इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए कुछ कदम बढ़ाना होगा।

इन घटनाओं में सबसे बड़ा प्रश्न तो प्रशासन के ऊपर भी है कि उन्होंने दोषी को बचाने की पूरी कोशिश की। इस तरह की घटनाएं कई बार हुई हमेशा यह होता है गैर इरादतन हत्या के मुकदमें चलते हैं और मामला ठंडे बस्ते में चले जाते हैं और फिर दूसरी घटना घटने तक इन पर चर्चा भी नहीं होती। ऐसे में सरकारों के साथ समाज को कुछ ऐसे कदम उठाने होंगे की ये नाबालिग बच्चे ऐसा करने से पहले कई बार डरें।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

खटाखट-फटाफट की सतही राजनीति से बचे लोकतंत्र

विश्वनाथ सचदेव

हमारे समय के महान कार्टूनिस्ट आर.के. लक्ष्मण ने अपने एक कार्टून में नेताओं के कार्टून न बनाने की बात की थी। उन्होंने लिखा था, 'अब मैं नेताओं के कार्टून नहीं बनाता, क्योंकि अब स्वयं कार्टून नेता बनने लगे हैं।' बरसों पहले बनाया गया था यह कार्टून, और लक्ष्मण के बनाये अनेक कार्टूनों की तरह यह आज भी प्रासंगिक है- शायद उस समय से कहीं ज्यादा जब यह कार्टून बनाया गया था। इस कार्टून में लक्ष्मण का ट्रेडमार्क 'आम आदमी' हैरानी और चालाक-सी मुस्कान के साथ इस घोषणा को होते सुन-देख रहा है! आज भी आम आदमी के चेहरे पर वही मुस्कान है। पत्रकारिता में कभी कहा जाता था, 'एक चित्र सौ शब्दों के बराबर होता है। यही बात कार्टून पर भी लागू होती है। जहां तक नेताओं के कार्टून बन जाने का सवाल है आज की राजनीति में इसके उदाहरण खोजने की आवश्यकता नहीं है- एक ढूंढ़ो हजार मिलते हैं।

चुनावों का मौसम अभी चल रहा है। कुछ ही दिन में चुनाव के परिणाम भी आ जाएंगे, नई सरकार बन जायेगी। नये-पुराने नेता कुर्सियां संभालेंगे। तब किसी लक्ष्मण के 'आम आदमी' के चेहरे पर वैसी ही मुस्कान होगी जो उस कार्टून में दिख रही थी। पर आज की राजनीति को देखते हुए यह समझना जरूरी है कि मुस्कुराना पर्याप्त नहीं है। यह स्थिति अपने आप में कम पीड़ादायक नहीं है कि हमारी राजनीति का स्तर लगातार नीचे खिसक रहा है। देश के राजनीतिक नेतृत्व ने इस चुनाव-प्रचार के दौरान नई गिरावट को छूने का जैसे एक रिकॉर्ड बनाया है। विभिन्न दलों के राजनेताओं में जैसे प्रतियोगिता चल रही थी घटिया राजनीति का उदाहरण प्रस्तुत करने की। हमारी राजनीति सिद्धांतों और मूल्यों के बजाय जुमलों में सिमट कर रह गयी है। जुमले की भी एक नयी परिभाषा ईजाद की है हमारे नेताओं ने- आप चाहें तो इसे 'लफ्फाजी' नाम दे सकते हैं। था कोई जमाना जब हमारे देश में चुनाव की तुलना यज्ञ से की जाती है। दूसरे आम चुनाव की बात है।

चुनावी सभाओं में एक कविता सुनाई देती थी- 'ओ मतदाता, तुम भारत के भाग्य-विधाता/ राजसूय सम भारत के हित/ यह चुनाव है होने जाता/ कागज का यह नन्हा-टुकड़ा भारत माता का संबल है/ वोट नहीं है तेरे कर में, महायज्ञ-हित तुलसी दल है।' आज हमारे राजनेता उस तुलसीदल के लिए

झूठ और फरेब का सहारा ले रहे हैं। त्रासदी तो यह भी है कि जो जितना बड़ा नेता है वह उतना बड़ा झूठ बोल रहा है। घटिया बोलों की एक प्रतिस्पर्धा चल रही है। किसी भी प्रकार के शर्म या लिहाज के लिए हमारी राजनीति में जैसे कोई जगह नहीं बची। हमारे नेता यह मानकर चल रहे हैं कि हल्की-फुल्की बातों से मतदाता को बरगलाया जा सकता है। ताजा उदाहरण 'खटाखट' वाली राजनीति का है। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने एक चुनावी सभा में 'खटाखट-खटाखट' का प्रयोग क्या किया, राजनेताओं को जैसे नया खिलौना मिल गया। राहुल गांधी ने कहा था, 'मोदी अपने धनवान मित्रों को पैसा दे रहे हैं, पर मैं पैसा आपको दूंगा खटाखट-खटाखट। यहां खटाखट से उनका आशय तेजी से पैसा देना था। प्रधानमंत्री मोदी को यह शब्द पसंद आ गया और दूसरे ही दिन उन्होंने एक चुनावी सभा में 'खटाखट' शब्द के माध्यम से राहुल गांधी का मजाक उड़ाने का अभिनय किया। खटाखट शब्द में कहीं कुछ गलत नहीं है। वैसे ही जैसे 'दीदी, ओ दीदी' कहना कहीं से गलत नहीं लगता। पर पिछले चुनाव में जिस तरह 'ओ दीदी' उचारा गया था, उसे भद्र भाषा का उदाहरण तो नहीं कहा जा सकता। इस खटाखट शब्द की भी जिस तरह नकल उतारी गयी, उसे हास्यास्पद तो कहा ही जा सकता है! राहुल गांधी ने अपने भाषण में देश की हर गरीब महिला के बैंक खाते में 8500 रुपये खटाखट जमा करवाने की बात कही थी। प्रधानमंत्री जी ने इस खटाखट शब्द से उनका मजाक उड़ाया जो खटाखट पैसा देने की बात कर रहे थे। मतदाताओं को अपने नेताओं से कुछ गंभीर आचरण की अपेक्षा भी होती है। लेकिन हमारे नेता तो मतदाता को बच्चों की तरह रिझाने में विश्वास करते हैं! प्रधानमंत्री मोदी न जाने कब से देश के मतदाताओं को पांच किलो अनाज से रिझा रहे हैं।

पहले देश के अस्सी करोड़ गरीबों को कुछ अर्से के लिए प्रतिमाह पांच किलो अनाज दिया गया था, फिर चुनाव से ठीक पहले यह कह दिया गया कि अगले पांच साल तक यह खैरात बंटती रहेगी। अब कांग्रेस के अध्यक्ष ने कहा है कि यदि उनकी सरकार बनती है तो वह पांच किलो के बजाय दस किलो अनाज प्रति माह देंगे। यही नहीं, यह बात कहीं इस तरह से कही जाती है मानो प्रधानमंत्री अथवा विपक्ष के नेता अपनी जेब से खर्च करके मतदाता को अनुगृहीत कर रहे हैं! लाभार्थी नाम दिया गया है सरकारी सहायता पाने वालों को। इसी तरह 'रेवड़ी बांटने' की बात भी हुई थी।

राष्ट्रीय हित में नहीं चीन से कारोबारी असंतुलन

जयंतीलाल भंडारी

यकीनन इस समय चीन से आयात बढ़ने से कारोबार असंतुलन का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है। हाल ही में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर वस्तुओं के चीन से आयात को नियंत्रित करने के मद्देनजर शुरू की गई ऑनलाइन निगरानी प्रणाली के बावजूद नवंबर, 2023 से मार्च, 2024 के 5 महीनों में चीन से लैपटॉप एवं टैबलेट सहित कंप्यूटरों की आवक 47.1 प्रतिशत बढ़ गई है। इस अवधि में भारत ने चीन से 27.36 करोड़ डॉलर मूल्य के इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर आयात किए हैं। यद्यपि इन उत्पादों के ताइवान और हांगकांग से भी आयात किए गए हैं, लेकिन उनकी तुलना में चीन से किए गए आयात का मूल्य कई गुना अधिक है। हाल ही में 17 मई को विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने उद्योग चैंबर सीआईआई के सालाना वार्षिक सम्मेलन में उद्योग जगत को संबोधित करते हुए कहा कि चीन के साथ कारोबार असंतुलन एक बड़ा मुद्दा है।

यह पिछले 20 वर्षों में पैदा हुआ है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2019-20 के बाद से चीन से होने वाले आयात में लगातार वृद्धि हुई है और आयात में 44 फीसदी का इजाफा हो चुका है जबकि चीन को होने वाला निर्यात तकरीबन स्थिर है। चीन के साथ सीमा पर चल रहे तनाव के बावजूद वहां से आयात में हो रही लगातार वृद्धि पर पहली बार किसी केंद्रीय मंत्री ने भारतीय उद्योग जगत को भी आड़े हाथों लिया और सम्मेलन में उपस्थित भारत के उद्योग जगत के सैकड़ों प्रतिनिधियों की तरफ चीन से हुई घुसपैठ के मद्देनजर इशारा करते हुए उन्होंने पूछा कि, क्या आप उसके साथ कारोबार करेंगे जो आपके ड्राइंग रूम में घुस कर आपके घर को नुकसान पहुंचा रहा है। विदेशमंत्री एस. जयशंकर ने बहुत ही स्पष्ट तरीके से यह सीख दी कि उद्यमियों को राष्ट्रीय हितों से जुड़ी संवेदनाओं का ख्याल रखना होगा। उन्होंने कहा कि, हमें चीन के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा की संवेदनशीलता को भी ध्यान में रखना होगा।

जहां तक संभव हो भारत में बनायें, भारत में खरीदें। जो राष्ट्रीय हित में है वह लंबी अवधि में कारोबार के हित में भी होगा। उन्होंने कहा कि कारोबार की अपनी जरूरतें हैं लेकिन लंबी अवधि के लिए हमें घरेलू सोर्सिंग व उत्पादन को बढ़ावा देना होगा और इसी आधार पर हमें फैसला करना होगा। उल्लेखनीय है कि पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में चीन से आयात 44.7 प्रतिशत बढ़कर 70.32 अरब डॉलर से 101.75 अरब डॉलर हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में चीन को भारत का निर्यात 16.66 अरब डॉलर रहा। चीन बीते वित्त वर्ष 2023-24 में 118.41 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार के साथ भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बन गया है। भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार के मामले में चीन ने अमेरिका को पीछे छोड़ दिया है। चीन से आयात में वृद्धि के कारण चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा बढ़ गया है। चीन के साथ व्यापार घाटा 2018-19 में 53.57 अरब डॉलर था, वह बढ़ते हुए 2023-24 में 85.09 अरब डॉलर हो गया। विश्लेषण करें तो पाते हैं कि चीन से आयात में कमी नहीं आने के कई कारण हैं। भारत आवश्यक व रणनीतिक तौर पर बेहद जरूरी सेक्टर में भी चीन से आयातित उत्पादों पर काफी निर्भर है। यद्यपि चीन पर निर्भरता कम करने के जो रणनीतिक कदम उठाए गए, उनका अभी जमीनी तौर पर कोई विशेष असर नहीं दिखा है।

इसमें कोई दो मत नहीं है कि पिछले एक दशक से स्वदेशी उत्पादों को हरसंभव तरीके से प्रोत्साहित करके चीन से आयात घटाने के प्रयास हुए हैं। वर्ष 2019 और 2020 में चीन से तनाव के कारण जैसे-जैसे चीन की भारत के प्रति आक्रामकता और विस्तारवादी नीति सामने आई, वैसे-वैसे स्थानीय उत्पादों के उपयोग की लहर देश भर में बढ़ती हुई दिखाई दी। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा बार-बार स्थानीय अर्थव्यवस्था का समर्थन करने और वोकल फॉर लोकल मुहिम के प्रसार ने स्थानीय उत्पादों की खरीदी को पहले की तुलना में अधिक समर्थन दिया है। चीन से आयात किए जाने वाले दवाई, रसायन और अन्य कच्चे माल का विकल्प तैयार करने के लिए पिछले दो वर्ष में सरकार ने प्रोडक्शन लिंक्ड इनसेंटिव (पीएलआई) स्कीम के तहत 14 उद्योगों को करीब दो लाख करोड़ रुपये आवंटन के साथ प्रोत्साहन सुनिश्चित किए हैं। ऐसे में हमें चीन से कारोबार असंतुलन को कम करने के लिए नए कारगर प्रयासों से देश को नया मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने और चीन के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर से बाहर निकल रहे विदेशी निवेश को भारत की ओर मोड़ने के अधिक प्रयास करने होंगे। निश्चित रूप से चीन से व्यापार घाटा कम करने के लिए सरकार द्वारा और अधिक कारगर प्रयास करने होंगे।

अब एक बार फिर से देश के करोड़ों लोगों को चीनी उत्पादों की जगह स्वदेशी उत्पादों के उपयोग के नए संकल्प के साथ आगे बढ़ना होगा। इस बात को भी समझा जाना होगा कि चीन से व्यापारिक असंतुलन की गंभीर चुनौती के लिए सिर्फ सरकार ही जिम्मेदार नहीं है, चीन के साथ व्यापार असंतुलन के लिए सीधे तौर पर देश का उद्योग-कारोबार और देश की कंपनियां भी जिम्मेदार हैं। उन्होंने कलपुर्जे सहित संसाधनों के विभिन्न स्रोत और मध्यस्थ विकसित करने में अपनी प्रभावी भूमिका नहीं निभाई है। साथ ही देश की बड़ी कंपनियां शोध एवं नवाचार के क्षेत्र में भी बहुत पीछे हैं। अब देश को वैश्विक प्राइज सीरीज में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने और रोजगार अवसरों में वृद्धि के साथ-साथ आत्मनिर्भर बनने के लिए अपने मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में तेजी लाने की जरूरत है।

पीएम मोदी किसानों और युवाओं के विरोधी : प्रियंका

पानीपत में न्याय संकल्प रैली को किया संबोधित

» कर्ज माफी के लिए आयोग बनाया जाएगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पानीपत (हरियाणा)। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने पानीपत की धरती से मजदूर से लेकर महिला, युवा, किसान और व्यापारी को साधा। उन्होंने अपने 36 मिनट के भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर हमला किया और उनको किसानों और युवाओं का विरोधी बताया। प्रियंका गांधी ने कहा कि देश में इंडिया गठबंधन की सरकार आती है तो किसान का एमएसपी का कानून बनाया जाएगा। उनको एमएसपी का कानूनी अधिकार रहेगा। खेती के सामान पर जीएसटी को खत्म कर दिया जाएगा।

कर्ज माफी के लिए आयोग बनाया जाएगा। यहां हर सुविधा किसान ले सकेंगे। किसानों को फसल नुकसान का मुआवजा 30 दिन में मिल जाएगा।उन्होंने साथ ही कहा की परिवार की सबसे बड़ी महिला के खाते में हर महीने 8500 रुपए पहुंचेंगे। कांग्रेस की कर्नाटक और तेलंगाना सरकार ऐसे पहले कर रही है। दोनों प्रदेशों में हर महीने 2000 रुपये महिला के खाते में आ रहे हैं। आशा और मिड डे मील वर्कर का मानदेय बढ़ाया जाएगा। केंद्र की नौकरियों में महिलाओं का आरक्षण 50त्न किया जाएगा। पेपर लीक के मामले को लेकर के सख्त कानून बनाए जाएगा और 30 लाख खाली पड़े पदों को भरा जाएगा। कांग्रेस की सरकार बनते ही अग्निवीर को पहली कलम से खत्म किया जाएगा।

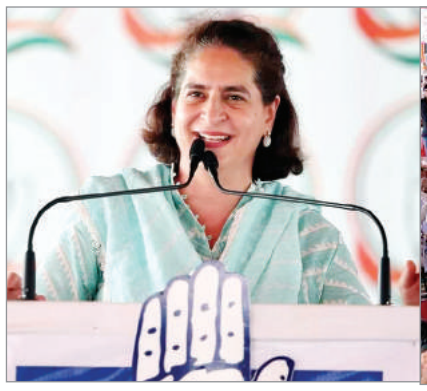

भाजपा के खोखले वादे में नहीं फंसेगी जनता : पायलट

सचिन पायलट ने लुधियाना में कांग्रेस उम्मीदवार वड़िंग के लिए लुधियाना। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने लुधियाना में पार्टी उम्मीदवार अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के समर्थन में प्रचार किया और लोगों से उन्हें वोट देना का आग्रह किया। पायलट ने महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के मुद्दों का हवाला देते हुए मौजूदा सरकार को उसके एक दशक लंबे कार्यकाल के लिए जवाबदेह बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने लुधियाना में कांग्रेस उम्मीदवार और कांग्रेस की पंजाब इकाई के अध्यक्ष वड़िंग के पक्ष में एक जनसभा को संबोधित किया। पायलट ने कहा, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सभी मंचों पर खोखले वादे कर रही है। उन्होंने कहा कि जब उनसे (भाजपा) विकास के बारे में पूछा जाता है तो वे बातचीत को हिंदू-मुस्लिम संबंधों, मंदिर-मस्जिद मुद्दों, मंगलसूत्र और भारत-पाकिस्तान मामलों जैसे विषयों पर स्थानांतरित कर देते हैं। पायलट ने कहा, वे सड़क, बिजली, युवा, व्यापार, मुद्रास्फीति, रोजगार और निवेश जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने से बचते हैं।

82 संपत्तियों की खरीद में लगा बागी विधायक का काला धनः सुक्खू

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने धर्मशाला से बागी विधायक और भाजपा पर जमकर निशाने साधे। आरोप लगाया कि धर्मशाला व आसपास के क्षेत्र में 82 संपत्तियों की खरीद में बागी विधायक का काला धन लगा है। मुख्यमंत्री ने पालू में आयोजित जनसभा में कहा कि जनता की सेवा करने के बजाय यहां के बागी विधायक भू-माफिया बन बैठे हैं। गरीब किसानों की जमीनों को कौड़ियों के भाव खरीदा है। बागी विधायक के ड्राइवर ने महज तीन साल में 10 करोड़ रुपये से 82 संपत्तियां खरीदी हैं। एक ड्राइवर के पास इतनी अकूत संपत्ति कहां से आई। उन्होंने कहा कि धर्मशाला ही नहीं शिमला, कुल्लू-मनाली, मंडी, दुबई में भी बागी विधायक ने संपत्तियां एकत्रित की हैं। सुक्खू ने कहा कि बिका हुआ विधायक दस साल पूर्व धर्मशाला आया और यहां पर 10 करोड़ रुपये का अपना महल बनाया। वह अब सफेद कुर्ता-पायजामा पहनकर खुद को बेदाग साबित करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके पास एक व्यक्ति ने आकर कहा कि बागी विधायक जबरन उनकी जमीन खरीदना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बागी विधायक की ओर से खरीदी गई संपत्तियों की जांच प्रदेश सरकार करवाएगी। भाजपा कार्यकर्ताओं के पास भी इस बार लोगों को धोखा देने वाले पूर्व विधायक को सबक सिखाने का मौका है।

भतीजे को बचाने के लिए झूठ बोल रहे स्वामी : सिद्धारमैया

» बोले- फोन टैपिंग का आरोप निराधार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु । जनता दल (सेक्युलर) नेता एच.डी. कुमारस्वामी द्वारा लगाए गए फोन टैपिंग के आरोपों को खारिज करते हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि उन्होंने अब तक के अपने राजनीतिक जीवन में कभी भी ऐसा 'गंदा काम' नहीं किया है और आगे भी ऐसा नहीं करेंगे। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री कुमारस्वामी पर आरोप लगाया कि वह अपने भतीजे एवं सांसद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ यौन शोषण के मामलों से ध्यान भटकाने के लिए झूठे दावे कर रहे हैं।

सिद्धारमैया ने कुमारस्वामी के आरोपों को लेकर एक सवाल के जवाब में कहा कि अपने राजनीतिक जीवन में चाहे पहले या अब मुख्यमंत्री के तौर पर मैंने कभी भी फोन टैपिंग जैसा गंदा काम नहीं किया है। भविष्य में भी ऐसा नहीं करुंगा। प्रज्वल रेवन्ना मामले से ध्यान भटकाने के लिए वह (कुमारस्वामी) ऐसी बातें कह रहे हैं। वह झूठ बोल रहे हैं। कुमारस्वामी ने सोमवार को आरोप लगाया था कि उनके और उनके परिवार के सदस्यों और समर्थकों सहित 40 फोन टैप किए जा रहे हैं।

पोते रेवन्ना पर भड़के पूर्व पीएम देवेगौड़ा

जेडीएस संरक्षक और पूर्व प्रधान मंत्री एचडी देवेगौड़ा ने अपने पोते, हासन से सांसद प्रज्वल रेवन्ना को भारत लौटने और अश्लील वीडियो मामले में कानूनी प्रक्रिया का सामना करने की कड़ी चेतावनी जारी की है। एक पूर्व घरेलू कर्मचारी की शिकायत के बाद, यौन उत्पीड़न और आपराधिक धमकी के आरोपों पर एक विशेष जांच दल (एसआईटी) रेवन्ना की जांच कर रही है। एक्स पर पोस्ट किए गए एक पत्र में, गौड़ा ने रेवन्ना के ठिकाने के बारे में अपनी अनभिज्ञता व्यक्त की।

मुख्यमंत्री की प्रधानमंत्री से अपील

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर प्रज्वल रेवन्ना का राजनयिक पासपोर्ट रद्द करने का अनुरोध किया है। सिद्धारमैया ने इस बात पर प्रकाश डाला कि रेवन्ना अपने खिलाफ आरोप सामने आने के तुरंत बाद 27 अप्रैल, 2024 को जर्मनी भाग गए। सीएम ने आरोपों का सामना करने के लिए रेवन्ना की वापसी सुनिश्चित करने के लिए त्वरित कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया, जिसमें बलात्कार, यौन उत्पीड़न और आपराधिक धमकी शामिल है।

स्वामी प्रसाद मौर्य के दफ्तर में फायरिंग, हमलावरों ने लगाए योगी-मोदी के नारे!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कुशीनगर। लोकसभा चुनाव में अब सिर्फ दो चरणों की वोटिंग बची है। इस बीच, कुशीनगर से आरएसएसपी के प्रत्याशी स्वामी प्रसाद मौर्य के कार्यालय पर गुरुवार देर रात को अज्ञात हमलावरों ने हमला कर दिया। हवाई फायरिंग कर कार्यालय में लगे दरवाजे और शीशे तोड़ दिए गए। बताया जा रहा है कि कार और बाइक पर सवार करीब 15 लोग कार्यालय पहुंचे और मोदी-योगी का नारा लगाते हुए फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी के प्रमुख स्वामी प्रसाद मौर्य कुशीनगर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। मौर्य के कसया स्थित कार्यालय पर हमलावरों ने हमला बोल दिया। कार्यालय प्रभारी गुलाब चंद मौर्या ने बताया कि मेरे कार को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। हमें मारने के लिए दौड़ाया गया। जब मैं कार्यालय के अंदर चला गया तो मोदी और योगी के नारे लगाते हुए कार्यालय में तोड़फोड़ किए और गाली गलौज देते हुए बोले कि अगर कल से कार्यालय खुला तो तुम्हें जान से मार देंगे।

केंद्र के अत्याचार का जवाब लोग वोट से देंगे : महबूबा

» 25 मई को होने वाले मतदान से पहले बोलीं पीडीपी नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने अपनी पार्टी के अध्यक्ष अल्ताफ बुखारी पर परोक्ष हमला बोलते हुए कहा कि बीजेपी उस पार्टी का समर्थन कर रही है जिसे कश्मीर में आतंकवाद को वित्तपोषित करने के लिए पाकिस्तान से हवाला के जरिए पैसा मिला था। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा कि पहले और दूसरे चरण के मतदान में लोगों ने भारी संख्या में मतदान किया।

मुझे उम्मीद है कि दक्षिण कश्मीर में लोग उत्तरी कश्मीर से भी अधिक संख्या में मतदान करेंगे। लोग एक संदेश देना चाहते हैं दिल्ली में सरकार के 2019 के बाद से किए गए अत्याचार अब स्वीकार्य नहीं हैं और वे वोट के माध्यम से इसका जवाब देंगे। पीडीपी प्रमुख ने अपनी पार्टी के अध्यक्ष अल्ताफ बुखारी पर परोक्ष हमला बोलते हुए कहा कि बीजेपी उस पार्टी का समर्थन कर रही है जिसे कश्मीर में आतंकवाद को वित्तपोषित करने के लिए पाकिस्तान से हवाला के जरिए पैसा मिला था। पीडीपी के पूर्व नेता बुखारी को जनवरी 2019 में पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था। उनकी अपनी पार्टी ने सुश्री महबूबा और नेशनल कॉन्फ्रेंस नेता मियां अल्ताफ के खिलाफ अनंतनाग-राजौरी संसदीय क्षेत्र से जफर इकबाल खान मन्हास को मैदान में उतारा है।

धांधली करवा सकता है प्रशासन

जम्मू-कश्मीर की अनंतनाग लोकसभा सीट के लिए 25 मई को होने वाले मतदान से पहले सीमावर्ती जिलों राजौरी और पुंछ में, खासतौर पर नियंत्रण रेखा (एलओसी) से सटे इलाकों में बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विस्तृत सुरक्षा के तहत सुरक्षा कर्मियों की संख्या बढ़ाना, पहाड़ी क्षेत्रों में उपस्थिति बढ़ाना, अतिरिक्त नाके स्थापित करना, इलाके और प्रमुख ढांचों की 24 घंटे निगरानी शामिल है।

जो कांग्रेस की चाल पर चलेगा... डूब जाएगा : गुलाम नबी आजाद

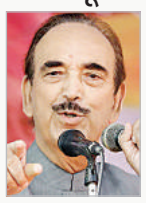

कांग्रेस में अब जंग लग चुकी है। वहां किसी प्रकार का काम करने की परंपरा नहीं है। जहां पर काम करने की बात नहीं, वहां पर रहकर क्या करता। मैं वहां काम सिखाना चाहता था। वह ऐसा करना नहीं चाहते थे, इसलिए मैं वहां से चला आया। मेरे साथ जो लोग राज्यों में प्रभारी बनते थे, या महासचिव बनते थे, वह काम ही नहीं करना चाहते थे। मैं जहां जाता था, वहां से जिताकर लाता था, लेकिन बाकी सब हार कर आते थे। जिला कमेटियों और प्रदेश कमेटियों का भी यही हाल है। मैं तो अपने कार्यकर्ताओं से भी कहता हूं, जो कांग्रेस की चाल पर चलेगा, डूब जाएगा। कांग्रेस की नीतियों में टिक्कत नहीं है। वहां लोग वर्क कल्चर को बदलना नहीं चाहते। मैं उनके बारे में क्या कहूं। सब देख और जान रहे हैं, वह कैसे काम करते हैं। ज्यादा कहने की जरूरत ही नहीं है। लोग कुछ भी कहते रहें। मेरी अपनी पार्टी है। सीएम रहते हुए विकास कराया था और अब भी विकास की राजनीति करना चाहता हूं। भाजपा हो या कोई और पार्टी...मेरा कहना है कि धर्म की राजनीति ठीक नहीं है। बचपन में पढ़ाया जाता था कि लकड़ियां इकट्ठा रहती हैं, तो टूटती नहीं हैं। अलग-अलग कर दिया जाए, तो तोड़ा जा सकता है।

कार्तिक का क्रिकेट को बाय-बाय

» आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महेंद्र सिंह धोनी के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के बाद विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक का अंतरराष्ट्रीय करियर भले ही परवान नहीं चढ़ा हो लेकिन उन्होंने अपने प्रदर्शन से इस खेल के प्रशंसकों के दिलों पर राज किया।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का प्रतिनिधित्व करने वाले कार्तिक ने बुधवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ एलिमिनेटर मैच में हार के बाद अंतरराष्ट्रीय और आईपीएल करियर को अलविदा कह दिया। आईपीएल के इस सत्र में बल्ले से दमखम दिखाने के बाद कार्तिक ने खुद को राष्ट्रीय टीम के लिए उपलब्ध करार दिया था लेकिन भारतीय चयनकर्ताओं ने युवा प्रतिभा को मौका देने का मन बना लिया था। कार्तिक ने इस साल फरवरी मार्च में भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट श्रृंखला के दौरान संन्यास लेने का मन बना लिया था लेकिन उनकी योजना के बारे में दुनिया को तब पता चला जब इंग्लैंड के माइकल एथरटन ने एक पॉडकास्ट में गलती से इसका खुलासा कर दिया।

भारत के लिए 26 टेस्ट, 94 वनडे और 60 टी-20 मैच खेले

आईपीएल ऐसा मंच है जहां कार्तिक की मांग कभी कम नहीं हुई। अपने 20 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर में कई बार टीम से अंदर-बाहर होने वाले कार्तिक ने भारत के लिए 26 टेस्ट, 94 एकदिवसीय और 60 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। पिछले कुछ समय से कमेंटेटर की भूमिका निभाने वाले कार्तिक ने 38 साल की उम्र में भी विकेट के पीछे अपनी फिटनेस और बल्ले से चतुराई भरे शॉट खेल कर खुद को आज के दौर में भी प्रासंगिक बनाये रखा।

देश को जो भी मिला वह संविधान से मिला : राहुल गांधी

» बोले- बीजेपी फिर सत्ता में आई तो सब मिटा देगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की सभी सात लोकसभा सीटों पर 25 मई को होने वाले छठे चरण के मतदान को लेकर चुनाव प्रचार थम गया। चुनाव प्रचार के आखिरी दिन बीजेपी और इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों और दिग्गजों ने अपनी पूरी ताकत जनता को अपने पक्ष में झोंक दी। कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी ने कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के उत्तर-पूर्वी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र के उम्मीदवार कन्हैया कुमार के समर्थन में जीटीबी एन्कलेव दिलशाद गार्डन के डीडीए मैदान में आयोजित जनसभा को संबोधित किया।

उन्होंने कहा, हमारी लड़ाई अम्बेडकर, महात्मा गांधी, जवाहर लाल नेहरु और करोड़ों देशवासियों द्वारा बनाए गए संविधान की रक्षा की लड़ाई है। संविधान में सोच पुरानी है, लेकिन इसे सबकी सोच को साथ मिलाकर बनाया गया है, जिसे एक बार फिर से सत्ता में आने के बाद बीजेपी खत्म कर देगी। उन्होंने कहा की देश का संविधान करोड़ों लोगों की सुरक्षा और अधिकारों को संरक्षित करने के लिए बनाया गया है, जिसे बचाने के लिए करोड़ो लोगों के साथ कांग्रेस पार्टी खड़ी है। संविधान से लोगों को आरक्षण मिलता है। चुनाव होते हैं और लोकतंत्र को इससे मजबूती मिलती है।

4 जून के बाद 5 न्याय और 25 गारंटी देंगे

राहुल गांधी ने ये भी कहा कि 5 न्याय और 25 गारंटी के तहत हम 4 जून के बाद इंडिया गठबंधन सरकार बनने पर सबसे पहले 30 लाख खाली पदों को भरेंगे। किसानों मजदूरों को उनके अधिकार दिलाने की पहल करेंगे। अग्निवीर योजना को खत्म कर सेना में स्थायी नौकरी देंगे। पब्लिक सेक्टर और प्राइवेट सेक्टर यूनिवर्सिटी ग्रेजुएट्स और डिप्लोमा होल्डर्स को स्थायी नौकरी दिया जाएग।

हार के डर से पीएम पहुंचे यमुना पार : कन्हैया

कन्हैया कुमार ने कहा कि देश में संविधान, लोकतंत्र और लोकतांत्रिक परम्परा को बचाने के लिए ही इंडिया गठबंधन को बनाया गया है। कई बार विभिन्न राजनीतिक पार्टियां होने पर सहमति और असमति होती है, लेकिन एक बात तय है कि बीजेपी की तानाशाही के खिलाफ, लोकतंत्र और संविधान बचाने के लिए सभी पार्टी एक साथ हैं। बीजेपी के सांसद ने 10 साल में 10 काम नहीं किए। आज लड़ाई काम करने वाले और न करने वालों के बीच है। कन्हैया कुमार ने पीएम मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि 10 साल में प्रधानमंत्री यमुना पार नहीं आए लेकिन अब हालात बिगड़ते देख प्रधानमंत्री 10 साल के सांसद को बचाने के लिए जनसभा करने जरूर पहुंचे।

बीजेपी विभाजन की राजनीति करती है : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने मुस्लिम आरक्षण को लेकर कहा कि पीएम होने के नाते उन्हें ऐसी बात नहीं करनी चाहिए। बता दें,हाल में ही प्रधानमंत्री मोदी ने राहुल गांधी के पुराने वीडियो की बात की थी। इस वीडियो में राहुल गांधी मुस्लिम आरक्षण को लेकर बात कर रहे थे। इसको लेकर खरगे ने कहा, एक पीएम होने के नाते क्या आपको लगता है कि उन्हें ऐसी बात करनी चाहिए? जब आरक्षण की बात आती है तो सभी देशों में ऐसे फैसले ज्यादा विचार-विमर्श के बाद लिए जाते हैं। हम भी अपने गठबंधन सहयोगियों के साथ बैठेंगे और जरूरत पड़ने पर निर्णय लेंगे। वो विभाजन की राजनीती कर रहे हैं, जो जनता के सामने है। अगर वे सत्ता में आए तो संविधान बदल देंगे और हम संविधान की रक्षा करेंगे।

चुनाव आयोग को 'सुप्रीम' राहत, याचिका रखा लंबित

» 48 घंटे में वोटिंग डेटा देने की याचिका पर सुनवाई

» कहा- इलेक्शन में बाधा नहीं डाल सकते

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

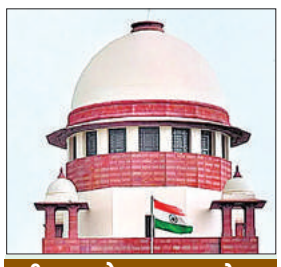

नई दिल्ली। वोटिंग खत्म होने के बाद 48 घंटे के भीतर वोटिंग का डाटा सार्वजनिक किए जाने की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल इस याचिका पर दखल देने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा इस चरण में हम अंतरिम राहत देने के इच्छुक नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका को लंबित रखा है और कहा कि चुनाव के बाद उचित बेंच इसपर सुनवाई करेगा।

जस्टिस दत्ता ने कहा हम चुनाव में बाधा नहीं डाल सकते। हम भी जिम्मेदार नागरिक हैं और हमें संयमित दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। उधर चुनाव आयोग ने कहा कि नियमों के अनुसार फॉर्म 17सी केवल मतदान एजेंट को ही दिया जाना चाहिए। नियम किसी भी अन्य व्यक्ति या संस्था को फॉर्म 17सी देने की अनुमति नहीं देते। नियमों के मुताबिक फॉर्म 17सी का सार्वजनिक रूप से खुलासा करना ठीक नहीं है। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि फॉर्म 17सी (मतदान का रिकॉर्ड) को वेबसाइट पर अपलोड करने से गड़बड़ी हो सकती है। इसमें छेड़छाड़ की संभावना है, जिससे जनता के बीच अविश्वास पैदा हो सकता है।

एडीआर और महुआ मोइत्रा ने दाखिल की थी रिट

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) और महुआ मोइत्रा की तरफ से दाखिल की गई इस याचिका पर जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने सुनवाई की। पिछली सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से जवाब दाखिल करने को कहा था। सुप्रीम कोर्ट मे दाखिल हलफनामे मे चुनाव आयोग ने 48 घंटे के भीतर वोट प्रतिशत सार्वजनिक किए जाने की मांग का विरोध किया है। चुनाव आयोग ने फॉर्म 17सी को सार्वजनिक किए की याचिकाकर्ता की मांग का विरोध किया।

कोर्ट ने याचिकाकर्ता पर उठाए सवाल

सुप्रीम कोर्ट ने कहा 2019 और 2024 की अर्जियों में क्या नेकसस है।आपने अलग से याचिका क्यों दाखिल नहीं की। आपने अतंरिम राहत क्यों मांगी। आपके लिए हमारे पास बहुत सवाल हैं। आप 2019 से क्या कर रहे थे। जाहिर है दो साल कोविड की बात करेंगे। आप इसे लेकर मार्च में क्यों नहीं आए.आप अप्रैल में भी इस मुद्दे को लेकर नहीं आए

आशंकाओं के आधार पर फर्जी आरोप : चुनाव आयोग

आज सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग ने कहा कि महज आशंकाओं के आधार पर फर्जी आरोप लगाए जा रहे हैं जबकि सुप्रीम कोर्ट ने हाल दी में दिए अपने फैसले में तमाम पहलू स्पष्ट कर दिए थे। निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ वकील मनिंदर सिंह ने कहा कि इस तरह का रवैया हमेशा चुनाव की शुचिता पर सवालिया निशान लगाकर जनहित को नुकसान पहुंचा रहा है। जब चुनाव चल रहे हैं तो निहित स्वार्थ वाली याचिकाओं पर सुनवाई ना हो। ये लोग कहते हैं कि लोगों के मन में शंका होती है. ये दिखाने के लिए इनके पास कुछ नहीं है। सिस्टम में क्या गलत है, ये दिखाने के लिए इनके पास कुछ नहीं है।

पापुआ न्यू गिनी में लैंडस्लाइड से मची तबाही, 100 से ज्यादा लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका

ऑस्ट्रेलिया। आस्ट्रेलिया के पापुआ न्यू गिनी से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। रिपोर्ट्स के अनुसार,दक्षिण प्रशांत द्वीप देश की राजधानी पोर्ट मोरेस्बी से लगभग 600 किलोमीटर दूर एक गांव में आज तड़के 3 बजे लैंडस्लाइड हुआ।

ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉर्प से मिली सूचना के आधार पर 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। वहीं वहां रह रहे निवासियों का कहना है कि मरने वालों की संख्या 100 से ज्यादा हो सकती है। हालांकि अधिकारियों ने अभी तक इस आंकड़े की पुष्टि नहीं की है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें देखा जा सकता है स्थानीय लोग वहां दबे हुए शवों को बाहर निकाल रहे हैं।

अंबाला में ट्रक और मिनीबस भिड़ी सात लोगों की गई जान, 20 घायल

» यूपी के 30 लोग थे सवार

» जा रहे थे वैष्णो देवी मंदिर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा के अंबाला में शुक्रवार तड़के एक मिनीबस और ट्रक की टक्क र में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। हादसा अंबाला छावनी के नजदीक मोहरा गांव के पास हुआ।

पुलिस ने बताया कि बस में उत्तर प्रदेश के लगभग 30 लोग सवार थे और जम्मू-कश्मीर में वैष्णो देवी मंदिर जा रहे थे। उन्होंने बताया कि घायलों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है।

पिकअप ने स्कूटी को मारी टक्कर, तीन लोगों की मौत

हरदोई। हरदोई जिले में मल्लावां कोतवाली क्षेत्र में राघोपुर-मेहंदी घाट मार्ग पर पिकअप ने स्कूटी में टक्कर मार दी। घटना में स्कूटी पर सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। मृतकों की पहचान सांडी थाना क्षेत्र के संजलपुर निवासी मलखान (50), हरपालपुर कोतवाली क्षेत्र के बरसोहिया निवासी लल्ला भैया (48) और हरपालपुर कस्बा निवासी राम मंगल (45) के रूप में हुई है। पुलिस परिजनों के आने का इंतजार कर रही है। तीनों शव मल्लावां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रखवा दिए गए हैं। घटना के बाद चालक पिकअप मौके पर छोड़कर भाग निकला। पुलिस ने तलाश में जुटी है।

बंगाल की खाड़ी में भयंकर तूफान की चेतावनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» पूर्वोत्तर और दक्षिण भारत में प्रचंड गर्मी

कोलकाता। पूर्वोत्तर और दक्षिण भारत प्रचंड गर्मी से जूझ रहा है। कई शहरों तापमान में 48 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। दिल्ली एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश समेत पांच राज्यों में पिछले दो हफ्ते से प्रचंड गर्मी का कहर जारी है। हालांकि, बंगाल की खाड़ी के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र और तेज होने की संभावना है,जिससे चक्रवात तूफान की उम्मीद जताई जा रही है। भारतीय मौसम विभाग ने जानकारी दी कि यह तूफान 25 मई की शाम तक बंगाल की खाड़ी से टकराने की संभावना।

रविवार को चक्रवात की वजह से 102 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चल सकती है। आईएमडी ने मछुआरों को 24 मई तक दक्षिण बंगाल की खाड़ी में, 26 मई तक मध्य बंगाल की खाड़ी में और 24 मई से 27 मई की सुबह तक उत्तरी बंगाल की खाड़ी में न जाने की सलाह दी है। 26 और 27 मई को पश्चिम बंगाल, उत्तरी ओडिशा, मिजोरम, त्रिपुरा और दक्षिण मणिपुर में भारी बारिश की आशंका है।

जून से मानसून के सक्रिय होने की उम्मीद

भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक,, इस साल जून और सितंबर के बीच भारत में सामान्य मानसून रहने की उम्मीद है। देश में 868.6 मिमी की लंबी अवधि के औसत (एलपीए) का 102 प्रतिशत बारिश होने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार, जून से सितंबर तक मध्य और पश्चिमी भागों में सामान्य से अधिक बारिश होगी। उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों में सामान्य बारिश होगी और उत्तर-पूर्व भारत और पूर्वी हिस्सों में सामान्य से कम बारिश होगी।

जानलेवा हुई गर्मी ने ली 11 जानें

पूरे देश में चरम मौसमी घटनाएं जानलेवा साबित हो रही हैं। केरल में जहां मानसून पूर्व बारिश की वजह से अचानक आई बाढ़ और बिजली गिरने से सात लोगों की मौत हो गई, वहीं राजस्थान में प्रचंड गर्मी की वजह से पांच, हरियाणा में दो और मध्य प्रदेश में चार लोगों ने जान गंवा दी है। देश के 10 सबसे गर्म शहरों में राजस्थान के छह शहर शामिल हैं। बाड़मेर में पारा 48.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। अन्य शहरों में भी तापमान 47 डिग्री से ऊपर चल रहा है। इसके अलावा, 24 मई से नौतपा भी शुरू हो रहा है, जो प्रचंड गर्मी के नौ दिन होते हैं। इस दौरान राजस्थान में कई जगहों पर तापमान 50 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा हो सकता है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।